आज़ादी का अमृत महोत्सव

केंद्रीय विद्यालय सीमा सुरक्षा बल, हुम्हामा

हिंदी पत्रिका

वर्ष 2023-2024

उ ड़ा न

आज़ादी का अमृत महोत्सव

केंद्रीय विद्यालय सीमा सुरक्षा बल, हुम्हामा

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

हिंदी पत्रिका

वर्ष 2023-2024

केन्द्रीय विद्यालय सीमा सुरक्षा बल
हुम्हामा

सुंदर लेख

आपके कर्म ही आपकी
पहचान हैं
वरना एक नाम के तो
हजारों इंसान हैं!!

संकेत

क्रमांक	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	संदेश श्री अशोक कुमार यादव (IPS) अध्यक्ष, विद्यालय प्रबंधन समिति	1
2	संदेश प्राचार्य श्री प्यारा लाल	2-3
3	संपादक की कलम से	4-6
4	अध्यापक की कलम से	7-9
5	जीवन संदेश	10
6	कविताएं	11-35
7	कहानियाँ	36-47
8	निबंध	48-54
9	शायरी	55-63
10	अन्य विधाएँ	64-66

Ashok Yadav, IPS
अशोक यादव, भा0 पु0 सेवा
Inspector General
महानिरीक्षक
STC BSF Humhama, KMR
सहा0 प्र0 केन्द्र, सी0सु0बल हुम्हामा, कश्मीर

संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि केंद्रीय विद्यालय, सीमा सुरक्षा बल हुम्हामा वर्ष 2023–24 के लिए विद्यालय हिन्दी पत्रिका का प्रकाशन करने जा रहा है। विद्यालय पत्रिका के माध्यम से विद्यालय की सृजनात्मक तथा रचनात्मक प्रतिभा के दर्शन होते हैं साथ ही साथ उनकी इस प्रतिभा की व्यापक पहुँच भी सुनिश्चित होती है। जब एक विद्यार्थी अपनी रचना को पत्रिका में अपने नाम व फोटो के साथ देखता/देखती है तो उसका हर्ष अकल्पनीय होता है। उसे ऐसा महसूस होता है जैसे उसकी रचनात्मकता को समुचित आधार मिल गया हो। वह इसी आधार के सहारे भविष्य के स्वप्न बुनने का प्रयास करता/करती है। विद्यालय पत्रिका, विद्यालय का प्रतिबिंब होती है, जिसके माध्यम से विद्यालय द्वारा वर्ष भर आयोजित होने वाली गतिविधियों, कार्यक्रमों तथा विद्यार्थियों द्वारा अर्जित की गई उपलब्धियों की झलक मिलती है।

2. मैं आशा करता हूँ कि विद्यालय पत्रिका का यह अंक अपने उद्देश्य को पूरा करने के साथ–साथ कॅंद्रिय विद्यालय संगठन के उद्देशयों को भी पूरा करेगा।

3. मैं इस वैचारिक अभिव्यक्ति के सफलतम संपादन हेतु विद्यालय के प्राचार्य श्री प्यारा लाल जी, संपादक मंडल श्री सज्जन सिंह तथा उभरते नवोदित रचनाकारों के साथ–साथ सम्पूर्ण विद्यालय परिवार को बधाई देता हूँ और सभी के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।

02/05

(अशोक यादव)
अध्यक्ष
विद्यालय प्रबंधन समिति,
केन्द्रीय विद्यालय,
सीमा सुरक्षा बल हुम्हामा

प्राचार्य संदेश

शिक्षा संस्कार की एक प्रक्रिया है। शिक्षा प्रणाली की ज्ञान व बुद्धि के साथ-साथ नैतिक चरित्र एवं सांस्कृतिक व्यक्तित्व विकास परक होना चाहिए। शिक्षा ज्ञान की साधना है। अंतर्निहित ज्ञान-शक्ति की अभिव्यक्त करना ही शिक्षा है।

वास्तव में वही शिक्षा है जो जीवन का निर्माण कर सके। जीवन के समग्र विकास की दृष्टि से शिक्षा की साहित्यिक ज्ञान भी अनिवार्य है। इससे बच्चों में शक्ति और नव सृजन की कला की बढ़ावा मिलता है। हिन्दी पत्रिका इस क्षेत्र में सबसे उपयुक्त प्रयास है। इसका निरंतर बने रहना जरूरी है।

किसी भी विद्यालय की पत्रिका उस विद्यालय का दर्पण होती है।

Topic ______________________ Date ____________

उसी से विद्यालय की सांस्कृतिक और शैक्षिक गतिविधियों के साथ-साथ साहित्यिक रुचि का भी पता चलता है। विद्यालय की हिन्दी पत्रिका इस बात का प्रमाण है कि विद्यालय में विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास के लिए विषम परिस्तिथियों में भी विद्यायल स्टाफ एवं विद्यार्थी स्वयं भी प्रतिबद्ध हैं। वे इस क्षेत्र में निरंतर सकारात्मक प्रयास कर रहे हैं।

पत्रिका के प्रकाशन पर मैं अभिभावकों, विद्यार्थियों, शिक्षक-शिक्षिकाओं, विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्यों, वरिष्ठ अधिकारिओं और अन्य सभी का जिन्होंने पत्रिका के लिए अपनी रचनाएँ एवं चित्र प्रकाशनार्थ दिये एवं सभी को प्रोत्साहित किया उन सभी का विनम्र आभार व्यक्त करता हूँ।

पत्रिका के संपादक मण्डल को मैं बधाई देता हूँ। हिन्दी पत्रिका के प्रकाशन से छात्रों में निहित रचनात्मक प्रतिभा उभर कर सामने आ सकेगी तथा इन्हीं विद्यार्थियों में से भविष्य में कुछ अच्छे पत्रकार, लेखक एवं कवि के रूप में अपनी पहचान बना सकेंगे ये मेरा सहज विश्वास है।

DAK

[illegible] लाल
प्राचार्य
केंद्रीय विद्यालय सीमा सुरक्षा बल हुम्हामा

Arnav Concept
Colours & Shapes L

Date

संपादक की कलम से

हमारे विद्यालय के प्रांगण में बच्चों की विलक्षण प्रतिभा को निखारकर सबके समक्ष आने के लिए हिन्दी पत्रिका "उडान" एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है। अपनी भाषा, मातृ समान होती है, सभी को अच्छी लगती है। हम सबसे सुंदर एवं सहज अभिव्यक्ति अपनी भाषा में कर पाते हैं। हमारा चिंतन मनन सब उसी में होता है। भाषाई गतिविधियाँ बच्चों की भाषा के प्रति रुचि को

Topic ______________ Date ______________

प्रोत्साहित करने के साथ ही उनके मनोभावों एवं विचारों को प्रस्तुत करने हेतु सशक्त भूमिका अदा कर, उनके आत्मविश्वास व व्यक्तित्व निर्माण में सहायक सिद्ध होता है।

यही उत्तरदायित्व हर वर्ष की तरह इस सत्र में भी विद्यार्थियों ने अनेक प्रतियोगिताओं के आयोजन द्वारा बखूबी निभाया है। विद्यार्थियों में हिन्दी साहित्य के प्रति रुचि विकसित करना तथा उन्हें उत्साहित करना एक सफल कदम है। यही कदम उन्हें भावी जीवन में एक सफल व जिम्मेदार नागरिक बनने में सहायक सिद्ध होगा। विद्यार्थियों की प्रतिभा, क्षमता और प्रयास सदैव स्मरणीय एवं अग्र गण्य रहे तथा उन्हें अपने अभीष्ट लक्ष्य की प्राप्ति हो। इसी विश्वास और आशा के साथ सभी विद्यार्थियों को शुभकामना देता हूँ। मेरा आशीर्वाद सदैव आपके साथ है।

इसी श्रृंखला में हमारे प्रशासनिक अधिकारी व शिक्षक साथी भी किसी से कम नहीं जिन्होंने अपनी कलम से बच्चों की प्रतिभा को निखारने के लिए कुछ न कुछ लिखा जरूर है इसमें विद्यालय के प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्री अशोक कुमार जी (भारतीय पुलिस सेवा), विद्यालय के प्राचार्य श्री प्यारा लाल जी, कला अध्यापिका सुश्री नेहा अग्रवाल, संस्कृत अध्यापिका श्रीमती आलिया इमरान व

Arnav Concept
Colours & Shapes L

Topic ______________ Date

विद्यालय के प्राथमिक शिक्षक श्री मिंटू खन्ना का इस पत्रिका की संपादन करने मे अहम योगदान रहा है इन सभी का मैं हृदय की गहराइयों से साधुवाद अदा करता हूं।

अपरिमित गुण, कला, प्रतिभा के हो तुम सागर।
अपनी कलमें से कर दो, जग को तुम चमत्कृत।
दे रही मंच हिंदी-पत्रिका तुम्हें,
आगे बढ़ो। नव विचारों को अब न दबने दो।
अपनी सुनहरी कलम से, अलक्षित प्रतिभाओं
की अब कर दो, उजागर।

श्री सज्जन सिंह
प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक हिन्दी

Arnav Concept

मेरी अभिव्यक्ति

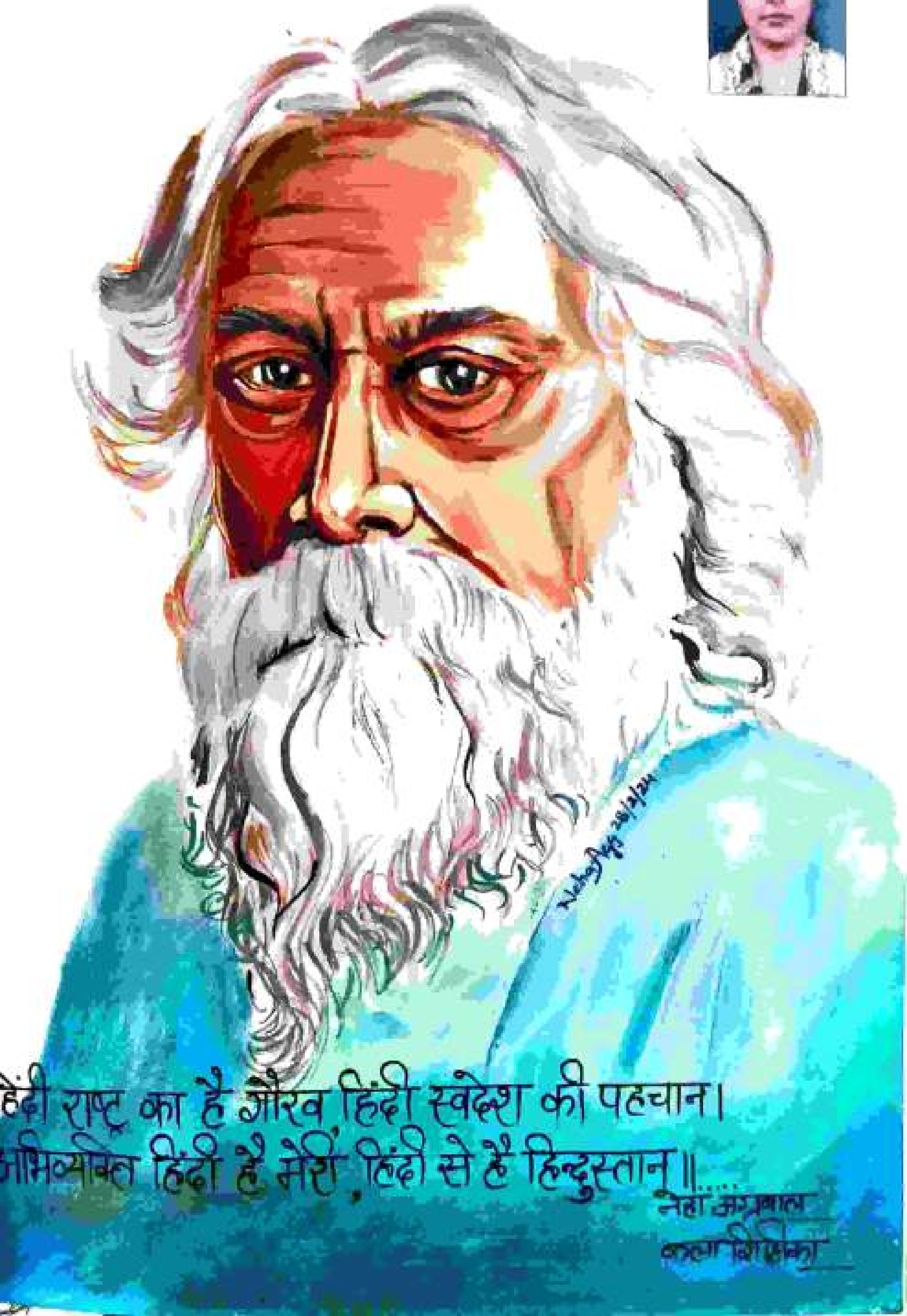
हिंदी राष्ट्र का है गौरव हिंदी स्वदेश की पहचान।
अभिव्यक्ति हिंदी है मेरी, हिंदी से है हिन्दुस्तान॥.....
नेहा अग्रवाल
कला शिक्षिका

भाषा विभाग की कलम से...

भाषा विचार-विनिमय का उचित साधन तथा अपनी प्रतिभा को प्रस्तुत करने का सशक्त माध्यम है। प्रत्येक विवेकशील प्राणी भाषा और संकेतों के सहारे अपनी सोच-समझ, व्याख्या तथा समालोचना को सबके सामने अपने तरीके से व्याख्यायित करता है। उसकी प्रतिभा की कद्र भी तभी दिखाई देती है। हिन्दी विभाग के नौनिहालों द्वारा 'उड़ान' पत्रिका में प्रस्तुत रचनाएँ निःसंदेह प्रशंसनीय हैं। इनकी रचनाएँ इन्हें मौलिकता तो प्रदान करती ही हैं, साथ ही विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से उनके व्यक्तित्व का भी विकास करती हैं। मैं इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूँ, साथ ही संपादक-मंडल प्रभारी को भी धन्यवाद देती हूँ जो सदैव हिंदी भाषा के प्रति विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते रहते हैं।

धन्यवाद

आलिया इमरान
प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका -संस्कृत

प्रकृति

प्रकृति से प्यार कर, संतुलित भविष्य का करार कर,
इसका न ह्रास कर , न सृष्टि का विनाश कर |
मन मे कर विचार तू, इतिहास कर याद तू,
जब-जब प्रकृति विनाश का, बीज तूने बोया है,
मानव जीवन खतरे मे डाल, कदम-कदम तू रोया है |
प्रकृति से प्यार कर, संतुलित भविष्य का करार,
इसका न ह्रास कर, न सृष्टि का विनाश कर |
प्रकृति प्रकोप का, विकराल रूप आएगा,
पृथ्वी मानव-रहित, धरा-बंज़र बनाएगा |
कर खुद को आबाद तू, प्रकृति का न नाश कर,
हरियाली का प्रसार कर, जीवन का उपचार कर,
जीवन चक्र को पुनः जगा, लोभ का तू त्याग कर |
प्रकृति से प्यार कर, संतुलित भविष्य का करार कर,
इसका न ह्रास कर, न सृष्टि का विनाश कर |

सिट्टू खन्ना
प्राथमिक शिक्षक

जीवन एक प्रतिध्वनि है।

आप जो भेजते हैं वह वापस आ जाता है।
आप जो देते हैं - वही आपको मिलता है।
जो आप दूसरों में देखते हैं वह आप में मौजूद है।
न्याय मत करो - इसलिए तुम्हें न्याय नहीं दिया जाएगा।
प्रसारित करे और प्यार दें और प्यार आपके पास वापस आ जाएगा।

नाम - तुलसि जमातिया

कक्षा - ३

कविता
हिन्दी पत्रिका
उड़ान

लाल परी

असमान की लाल परी,
ऊपर से नीचे उतरी।
नये-नये उपहार सजाकर
सपनों का संसार बसाकर
खेल-खिलौने और मिठाई,
सब बच्चों को देने आई।

कक्षा एक 1
नाम Aairaha

कविता

शिक्षक

जीवन में जो राह दिखाये
ही तरह चलना सिखाए।
मात-पिता से पहले आता,
जीवन में सदा आदर पाता

सबको मान प्रतिष्ठा जिससे
सीखी कर्तव्यनिष्ठा जिससे।
कभी रहा ना दूर मैं जिससे
वह मेरा पथदर्शक है जो।
मेरे मन को भाता
वह मेरा शिक्षक कहलाता।

भी है शांत, कभी है शोर,
भाव से सदा जोड़े
न में इच्छा रहे ये इच्छा
भी मैं उस जैसा बन पाता.
मेरा शिक्षक कहलाता

भाव्या पांडे
कक्षा - I 31

कविता रेनी डे

बिजली कड़की गरजे बादल,
देख के हम तो हो गए पागल।
आज स्कूल नहीं जाएँगे,
आलू के पकोड़े खाएँगे
बारिश में नहाएँगे,
रेनी-डे मनाएँगे,

Name = Pratika Bhajantri
class = 2nd
Roll = 1

सुंदर चिड़िया

ची-ची-ची-ची करती चिड़िया
फुरफुर-फुरफुर उड़ती चिड़िया।
गाना कितना गाती बढ़िया
नन्ही-नन्ही प्यारी चिड़िया।
तुम भी जब अपना मुँह खोलो
चिड़िया जैसा मीठा बोलो।

छात्र का नाम - स्फूर्ति
कक्षा - दूसरी

पेड़ हमारे साथी हैं।

पेड़ हमारे साथी हैं,
छाया हमको देते हैं।
बाढ़ से हमें बचाते हैं,
मीठे फल भी देते हैं।
पेड़ कितने ज़रूरी हैं,
फिर भी बेचारे कटते हैं।
हम भी पेड़ लगाएंगे,
संसार को हरा भरा बनाएँगे।

Name- Aradhya Sarkar.
Class- 2nd

कविता => मेरा स्कूल

सबसे प्यारा मेरा स्कूल,
जिसको नहीं सकता मैं भूल।
माँ ने मुझको जन्म देकर,
जीवन का पहला पाठ पढ़ाया।
स्कूल जाकर ही मैंने पाया,
इस दुनिया के ज्ञान भंडार को।
खूब पढ़ो और खूब बढ़ो तुम,
शिक्षा यही देती हमारी शिक्षक।
तभी बढ़ेगा भारत सबसे आगे,
जब देश का हर बच्चा शिक्षित होगा।
तभी तो मिटेगी देश की आसाक्षरता
जब पूरा देश शिक्षित होगा।
सबसे प्यारा मेरा स्कूल,
जिसको नहीं सकता मैं भूल

छात्रा का नाम = पूनिका

कक्षा = 2

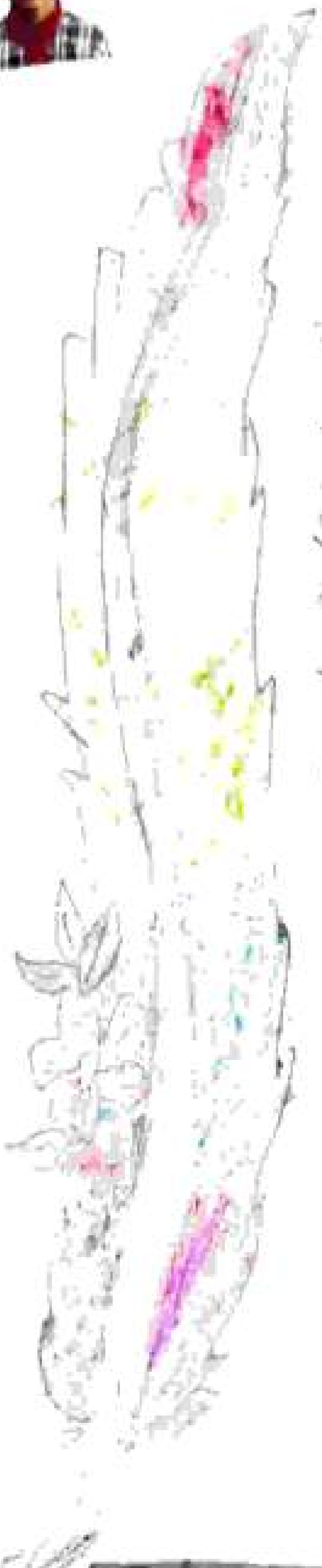

नानी की कहानी

बोली नानी, सुनो कहानी,
ना कोई राजा, ना कोई रानी।
तुमको मैं देती संदेश, कभी
न भूलो अपना देश। कड़वे
बोल कभी न बोलो जब भी
बोलो, मीठा बोलो। पढ़ने में तुम
ध्यान लगाओ, जो करना
है अब कर डालो;
कल पर उसको कभी न
टालो।

NAME ADITYA [illegible]RKAR
ROLL NO 11

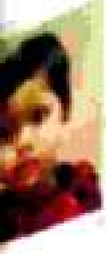

सब्जी खाओ, सेहत बनाओ

खाना हैं तो सब्जी खाओ,
आओ अपनी सेहत बनाओ।
आलू हैं सब्जीयो का राजा,
इसको खाओ ताजा - ताजा।
गाजर खाओ, टमाटर खाओ
आओ अपना दिमाग बढ़ाओ।
बैंगन, भिंडी, गोभी, मटर
आओ खाओ सब मिलकर।

नाम - चोड चन्द्र मेहेर
कक्षा - तीसरी

नाम-माही कक्षा-3rd

हिन्दी पत्रिका

माँ

प्यारी जग में न्यारी माँ,
खुशियाँ देती सारी माँ,
चलना हमें सिखाती माँ,
मंजिल हमें दिखाती माँ।
सबसे मीठा बोल है माँ,
दुनियाँ में अनमोल है माँ,
खाना हमें खिलाती है माँ,
लोरी गाकर सुलाती है माँ,
प्यारी जग से न्यारी माँ,
खुशियाँ देती सारी माँ।

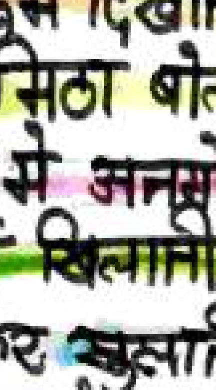

मेरी प्यारी माँ

TOPIC कविता

DATE 24/02/2024

आज़ादी का लहर

हर रक्त का एक-एक कतरा
आज बना वरदान है,

आज़दी की हर साँस पर
उनकी कुर्बानी का नाम है।

गाथाएं सुर वीरों की जब
जब दोहराई जाएगी,

जाने कितने वीरा के सीनो मे
देशभक्ति की ज्योत जलेगी।

अमर शहीद भगत सिंह
जैसे वीरो की कहानी,

हर बच्चो के सीने मे हर
दोहराई जाएगी।

नाम - नॅन्सी गुप्ता
कक्षा - 15वी
अनुक्रमांक - 26

Oddy Stationery

TOPIC कविता

DATE 15/02/2024

एकता का गीत

देश को आज़ादी दिलाने के लिए
जिन-जिन जवानों ने जान गवाई थी
उनमे ना कोई हिंदू न कोई मुस्लिम,
सिख था ना उनकी पहचान ईसाई थी

भारत को आज़ाद करने का
सपना जिन आँखों ने देखा था
उनके आगे अंग्रेजों ने
अपना माथा टेका था

आज भी खुद की सोच को
क्यो ना आज़ाद ना बना ले हम
राम के घर ईद मना ले और
रहीम के कर दिया जला ले हम!

जय हिंद
जय भारत

नाम - नैन्सी गुप्ता
कक्षा - 5वी
अनुक्रमांक - 26

पानी(जल) पर कविता

पानी है कितना अनमोल,
जान लो तुम इसका मोल,
पानी बिना धरती है सूनी,
बिन पानी जीवन का नहीं है मोल
पानी से ये धरती बनी,
पानी से बने हम और तुम,
पानी से हरियाली यहाँ,
बिना पानी यहाँ सब गुम।
पानी नहीं रहे धरती पर,
सूखा पड़ जाएगा इस धरती पर,
ना रहे कोई जीवित यहाँ,
श्मशान बन जाएगा इस धरती पर
पानी से जीवन है प्यारे,
पानी से जीवित है सारे,
पानी है कितना अनमोल,
जान लो तुम इसका मोल।

class-4th Name-Lokesh

जब - जब जन्म लेती है बेटी,
खुशियाँ साथ लाती है बेटी ।

ईश्वर की सौगात ही बेटी,
सुबह की पहली किरण है बेटी ।

तारों की शीतल छाया है बेटी,
आंगन की चिड़िया है बेटी ।

जिस घर जाए उजाला लाती है बेटी,
बार बार याद आती है बेटी ।

बेटी की कीमत उनसे पूछो,
जिनके पास नहीं है बेटी ।

नाम - स्वारा चिब
कक्षा - 4

सवेरा

सुरज निकला मिटा अंधेरा
देखो बच्चों हुआ सवेरा।
आया मीठी हवा का फेरा,
पिड़िया ने फिर छोड़ा बसेरा
जगो बच्चो अब मत सोओ
इतना सुन्दर समय न खोओ

छात्र का नाम - स्नेहा
कक्षा - पाँच

हिंदी

आज सुकून से यह
हिंदुस्तान नहीं होता।
अगर कोई सरहद पे,
कुर्बान नहीं होता॥
जिसका परिवार घर,
पर रास्ता देखता हो।
उसे सीने पर गोली,
खाना आसान नहीं होता॥

नमस्कार सभी को आज
मैं चारुल आपके सामने।५
फरवरी, जिसको हम भारत

पत्रिका

का सबसे काला दिन कहते है।
उसकी याद में उन वीर देशभक्त नौजवानों
पर एक शायरी प्रस्तुत करने जा रही हूँ जो
अपनी जान की फिक्र न करते हैं।

किसी का अपना हमेशा के लिए खो गया,
रोता रहा पूरा परिवार और पूरा देश स्टेसट लग
किसी की गोद उजड़ी, किसी की माँग,
और किसी के सर से बाप का साया।
और हमने तो सुना बस एक नौजवान
आज भी सुनते हैं उनके किस्से,
तो आँखों में अश्क भर आते हैं।
इतना आसान नहीं होता हीफाजत वतन
कितनों की लाशें नहीं मिलती और,
कितने ही टुकड़ो में घर आते हैं।

-जयहिंद
-धन्यवाद

Date २५-०२-२०२५

Topic: कविता

हिंदी पत्रिका

नया-नया स्कूल खुला है चलो पढ़ाई करने को,
छोड़ो झगड़ा, वक्त पड़ा है
भूल लड़ाई करने को।

क ख ग से क्ष त्र ज्ञ तक?
जल्दी-जल्दी पढ़ना है।
ए बी सी डी पढ़कर हमको
सबसे आगे बढ़ना है
पढ़-लिखकर ही लोग मिलेंगे
हमें बड़ाई करने को।

मेरा स्कूल सा ना कोई दूजा,
सरस्वती माँ की होती पूजा।
गुरू हमारे पाठ पढ़ाते,
नई-नई बातें सिखलाते।

कितना सुंदर मेरा स्कूल।
इसमें रंग-बिरंगे फूल।।
फूल सुहाने सबको भाते
उन्हें देखकर सब ललचाते।

नाम - अनुष्का
कक्षा - सातवीं (7)
रोल नं - 15

Arnav Concept
Colours & Shapes

हिन्दी पत्रिका

जब एक झलक ज़िंदगी को देखा,
वो राहों पे मेरी गुनगुना रही थी,

फिर ढूँढा उसे इधर उधर
वो आँख मिचौली कर मुस्कुरा रही थी

एक अरसे के बाद आया मुझे करार;
वो सहला के मुझे सुला रही थी

हम दोनों क्यूँ रूठे हैं एक दूसरे से
मैं उसे और वो मुझे समझा रही थी,

मैंने पूछ लिया - क्यों इतना दर्द दिया कमबख्त तूने,
वो हँसी और बोली - मैं ज़िंदगी हूँ पगले
तुझे जीना सिखा रही थी।

तनीषा चौधरी
कक्षा - 7th

हिन्दी कविता

कल एक झलक ज़िंदगी को देखा,
वो राहों पे मेरी गुनगुना रही थी,

फिर ढूँढा उसे इधर उधर
वो आँख मिचौली कर मुस्कुरा रही थी

एक अरसे के बाद आया मुझे करार,
वो सहला के मुझे सुला रही थी

हम दोनों क्यूँ ख़फ़ा हैं एक दूसरे से
मैं उसे और वो मुझे समझा रही थी,

मैंने पूछ लिया - क्यों इतना दर्द दिया कमबख्त तूने,
वो हँसी और बोली - मैं ज़िंदगी हूँ पगले
तुझे जीना सिखा रही थी।

तनीषा-चौधरी
कक्षा - 7th

Topic: हिन्दी पत्रिका Date

रश्मिरथी

वर्षों तक वन में घूम-घूम,
बाधा-विघ्नों को चूम-चूम,
सह धूप-घाम, पानी-पत्थर,
पांडव आये कुछ और निखर।
सौभाग्य न सब दिन सोता है,
देखें आगे क्या होता है।

मैत्री की राह बताने को,
सबको सुमार्ग पर लाने को,
दुर्योधन को समझाने को,
भगवान हस्तिनापुर आये,
पांडव का संदेशा लाये।

"दो न्याय अगर तो आधा दो,
पर, इसमें भी यदि बाधा हो,
तो दे दो केवल पाँच ग्राम,
रक्खो अपनी धरती तमाम।
हम वहीं खुशी से खायेंगे,
परिजन पर असि न उठायेंगे!

Colours & Shapes

Topic: हिन्दी पत्रिका Date 31

दुर्योधन वह भी दे ना सका,
आशीष समाज की ले न सका,
उलटे, हरि को बाँधने चला,
जो था असाध्य, साधने चला।
जब नाश मनुज पर छाता है,
पहले विवेक मर जाता है।

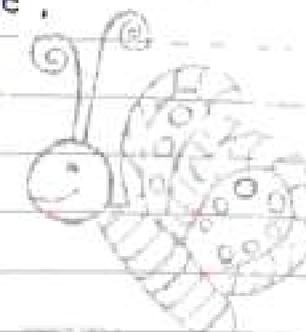

हरि ने भीषण हुंकार किया,
अपना स्वरूप - विस्तार किया,
डगमग - डगमग दिग्गज डोले,
भगवान् कुपित होकर बोले -
'जंजीर बढ़ा कर साध मुझे।
हाँ हाँ दुर्योधन बाँध मुझे।
यह देख, गगन मुझमें लय है,
यह देख, पवन मुझमें लय है,
मुझमें विलीन झंकार सकल,
मुझमें लय है संसार सकल
अमरत्व फूलता है मुझमें,
संहार झूलता है मुझमें।

नाम - वैभव शर्मा

कक्षा - 7

अनुक्रमांक - 06

TOPIC- कविता

DATE 11/02/2024 32

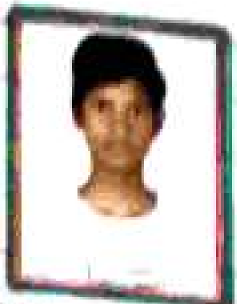

मेरा वतन

मेरा अक्स भी वो, मेरी छाया भी वो
मेरा हमदम भी वो, मेरा सरमाया भी वो।

मेरी गीता भी वो, मेरी कुरान भी वो
मेरी पूजा भी वो, मेरी अजान भी वो।

मेरा सुकून भी वो, मेरा जुनून भी वो
मेरा होश भी वो, मेरा जोश भी वो।

इस जहाँ में उस सा कोई नहीं
मेरे ख्वाब बे-हस्ती पे छाया है जो।
कोई पूछे कौन है तेरा रहगुजर
मैं कहता हूँ, मेरा वतन, मेरा हिंदुस्तान है वो।

जय हिन्द।

नाम - नैतिक कुमार गुप्ता
कक्षा - आठवीं, अ
अनुक्रमांक - 23

S-3

प्यारी माँ

प्यारी माँ मुझको तेरी दुआ चाहिए।
तेरे आँचल की ठंडी हवा चाहिए।
लोरी गा-गाके मुझको सुलाती है तू
मुस्करा के सवेरे जगाती है तू।

मुझको इसके सिवा और क्या चाहिए।
प्यारी माँ मुझको तेरी दुआ चाहिए।
तेरे ममता के साये में फूलूं-फलूं।
थाम कर तेरी उंगली मे बढ़ती चलूं।

आसरा बस तेरे प्यार का चाहिए।
प्यारी माँ मुझको तेरी दुआ चाहिए।
तेरी खिदमत से दुनिया में अजमत मेरी।
तेरे कदमों के नीचे है जन्नत मेरी।
उम्र भर सर पे साया तेरा चाहिए।
प्यारी माँ मुझको तेरी दुआ चाहिए।

मेरी माँ मुझको तेरी दुआ चाहिए।
प्यारी माँ मुझको तेरी दुआ चाहिए।

माँ पर शायरी

1. माँ न होती तो वफा कौन करेगा, ममता का हक
भी अदा कौन करेगा, रब हर एक माँ को सलामत
रखना, वरना हमारे लिए दुआ कौन करेगा।

2. मेरी माँ की ममता का असर देखो,
संसार की निराली अदा तो देखो।
जब भी चाहो आओगे अपने आँचल में,
माँ की गोद में सुकून का नशा तो देखो।

कर उंगली मेरी मुझे को हर कदम
लना सिखाया आज भी गिरती हूँ
ो सबसे पहले उठाती है माँ।

ितना भी हम रूठे अपनी माँ से
लिए ममता कभी ना कम होती
ी उँच से पर कभी अगर हम
ी के गलत डगर पर चल
ी कान खींच के लाती है
में वहाँ से।

शिफा उस्मान
कक्षा-ग्यारहवीं

हम बच्चे

हम बच्चे हँसते गाते हैं।
हम आगे बढ़ते जाते हैं।

हम पर [illegible] कुछ [illegible],
[illegible] चुन दूर हटाते हैं।

आयें कितनी भी बाधाएँ,
हम कभी नही घबराते हैं।

हम दौलत से ऊपर उठ कर
सपनों के महल बनाते हैं।

हम खुशी बाँटते दुनिया को,
हम हँसते और हँसाते हैं।

सारे जग में सबसे अच्छे,
हम भारतीय कहलाते हैं।

उड़ान

NAME :- SHREYA KUMARI
ROLL NO :- 8
CLASS :- 8th

हिन्दी
पत्रिका

हिन्दी पत्रिका   Date

नाम - सात्विका

कक्षा -

चिड़िया और तितली

एक चिड़िया थी। एक छिपकली थी और
एक तितली थी। एक दिन एक शिकारी
आया। वह चिड़िया पकड़ना चाहता था।
तितली का इशारा पाकर चिड़िया उड़
गई। छिपकली तितली खाना चाहती थी।
छिपकली बाहर निकली और तितली पर
झपटी। चिड़िया छिपक पर झपटी।
तितली उड़ गई। चिड़िया भी बच गई।
तितली चिड़िया की मित्र बन गई। तभी
एक सिपाही आया और उसने शिकारी पकड़
लिया।

Arnav Concept
Colours & Shapes

HMAT KHAN
34

लालू और पीलू

एक मुर्गी थी। मुर्गी के दो चूज़े थे। एक का नाम था लालू। दूसरे का नाम था पीलू। लालू लाल चीज़ें खाता था। पीलू पीली चीज़ें खाता था। एक दिन लालू ने एक पौधे पर कुछ लाल-लाल देखा। लालू ने उसे खा लिया।

अरे, यह तो लाल मिर्च थी। लालू की जीभ जलने। वह रोने लगा। मुर्गी दौड़ी हुई आई। पीलू भी भागा। [redacted] वह पीछे-पीछे गुड़ का टुकड़ा ले आया।

लालू ने झट गुड़ खाया। उसके मुँह की जलन ठीक हो गयी। मुर्गी ने लालु और पी
को लिपटा लिया।

कहानी

[illegible]

दिशा बचपन से ही अपनी बुआ रागिनी के साथ रहती थी। रागिनी की एक ही बेटी थी। जिसका नाम लावण्या था। रागिनी का पती दिशा को प्यार करता था। जिसकी वजह से रागिनी को भी प्यार करने का नाटक करना पड़ता था। लेकिन कुछ सालों बाद रागिनी के पती की एक दुर्घटना से मौत हो जाती है। जिसके बाद से दिशा बहुत दुःखी रहने लगी। दिशा बहुत काली थी और लावण्या बहुत सुंदर थी। रागिनी और लावण्या दिशा को बहुत परेशान करते। एक दिन दिशा काम करने से मना कर देती है इसलिए उसे घर से निकाल दिया जाता है। चलते चलते वो बेहोश हो जाती है। आस-पास से कोई जानवर आकर उसे चाटने लगते हैं। कोई फिर खाता तो कभी कुछ।

छात्र का नाम हरप्रीत कौर
कक्षा तीसरी

विद्यार्थी का फोटो

हिन्दी पत्रिका

सोने के अंडे

एक बार की बात है एक आदमी के पास एक मुर्गी थी। वह मुर्गी प्रतिदिन एक सोने का अंडा देती थी। वह आदमी रोज़ उस अंडे को बेचकर अपना गुज़ारा करता था। एक दिन उस आदमी ने सोचा कि यह मुर्गी मुझे एक अंडा देती है तो इसके पेट बहुत सोने के अंडे होंगे तो क्यों ना मैं इस मुर्गी का पेट काट दूं और उन सारे अंडों को बेच दूं तो मेरे पास बहुत ज़्यादा पैसे आ जाएंगे। ऐसा सोचते ही उस आदमी ने चाकू उठाया और मुर्गी का पेट काट दिया पर उस आदमी ने देखा कि उस मुर्गी के पेट में तो एक भी सोने का अंडा नहीं था।

शिक्षा - संतोश से ही खुशी मिलती है।

नाम-मदीहा मंज़ूर
कक्षा-चौथी

Page: हिन्दी पत्रिका   Date 23.02.2024

शेर और चूहा

गर्मी का दिन था और एक शेर अपनी गुफा में झपकी ले रहा था। अचानक एक चूहा गलती से उसकी नाक पर चढ़ गया और शेर जैसे खतरनाक जानवर को जगा दिया। शेर को बहुत गुस्सा आया। शेर अपने पंजे के नीचे चूहे को कुचलने ही वाला था कि नन्हा चूहा अपनी जान की भीख मांगने लगा। शेर ने चूहे पर दया की और उसे जाने दिया।

कुछ दिनों बाद शेर जंगल में भटकते हुए शिकारियों के जाल में फंस गया और जाल में फंस गया। वह रस्सियों में इस कदर उलझा हुआ था कि हिल भी नहीं पा रहा था। शेर पर लेट गया और बेबस होकर दहाड़ने लगा। उसकी पुकार पूरे जंगल में गूँज उठी और चूहे के कानों तक पहुँच गई। वह दौड़कर मौके पर पहुंचा और जाल के धागों को टुकड़ों में काट लिया। इस प्रकार शेर की जान बच गई।

शिक्षा- हर चीज की अपनी कीमत होती है

नाम- जन्नत राजपूत

कक्षा- पाँच बी

Colours & Shapes

मेरी बोली

एक लड़की थी। उसका नाम मीना
था। वह बहुत भोली थी और उसके दोस्त
बहुत गंदे थे वह उसे तंग करते थे।
एक बार उसकी दोस्त ने उसे धोखा
दे दिया उसकी दोस्त का नाम नेहा
था वह उसकी पक्की दोस्त थी पर नेहा
उसको दोस्त नहीं मानती थी और उसका
कोई दोस्त नहीं था फिर एक नई लड़की
आई। उसका नाम काजल था। वह नेहा की
पक्की दोस्त बन गई। काजल मीना से जलती
थी। क्योंकि वह नेहा को दोस्त मानती थी।
काजल उसे नेहा के पास नहीं आने देती थी
वह बहुत अच्छा पढ़ती थी। एक बार मीना
ने अपनी माँ को बता या तो उसकी माँ ने कहा
की तुम नई दोस्त बना लो। फिर वह
स्कूल गई तो वह कम बात कर रही थी। फिर
कुछ दिनों बाद एक नई लड़की आई। उसका नाम
रीना था। वह मीना की अच्छी दोस्त बन गई
थी

प्रतिमा

हिन्दी पत्रिका

एक था वानर। उसका नाम कारा था। वह बरगद
पर रहता था कारा गाजर और टमाटर खाता था।
वह बड़ा बलवान था। एक लड़का था उसका
नाम राघव था। राघव का घर नाव पर
बना था। वह बड़ा भोला था। कारा गाना गाता—
आओ- आओ, राघव आओ। गाओ राघव,
गाना गाओ, अपना बाजा आज बजाओ।
मटक -मटक कर नाच - नचाओ राघव बाजा बजाता—
आओ कारा, झटपट आओ। खाओ ताजा हलवा खाओ।
हलवा खाकर कारा पेड़ पर चढ़ जाता। बाजा-बजाकर राघव जाता-

राघव और वानर

नाम - श्रेया निको
कक्षा - छठी

कहानि

[illegible] के खिलाड़ी को तो आप जानते ही हैं उनमें से [illegible] राजनीतिक - सांस्कृतिक पत्रिका निकाली जिसमें विचारधारा [illegible] लेख कविताएँ वगैरह समीक्षाएँ वगैरह विचार वगैरह [illegible] वो पत्रिका निरंतर घाटे में निकल रही थी लेकिन मालिक [illegible] घाटा नहीं हो रहा था वह नौकरशाहों और मंत्रियों के पास [illegible] करता था और पत्रिका के अंक दिखाया करता था मतलब [illegible] वह बिना यह कहे ताकतवरों को डराया करता था कि ये [illegible]-बड़े विचारक आप पर बहुत विश्लेषणात्मक तरीके से [illegible] सकते हैं मतलब कि आपके धंधों पर और आपके [illegible] पर मतलब कि आप भी इसे पैसा जो उनको देते हैं [illegible] जैसे हम आपको हर तरह के पतन का मौका दे रहे हैं [illegible] तो जैसा कि मैंने बिना कहे कहा कि ये बड़े-बड़े लोग आप पर बहुत विश्लेषणात्मक तरीके से लिख सकते हैं और जो अपना विश्लेषण कम करते हैं और जो आप ही [illegible] हम जैसे अपराधियों के पैसे से कितनी अच्छी और मानवीय पत्रिका निकालते रहते हैं।

धन्यवाद !

नाम → सृष्टि
कक्षा → 6th

Topic हिंदी पत्रिका Date 24-2-24

कहानी

कमजोरी ही है अपनी, पर सच तो यह है कि जरा-सी कठिनाई पड़ते वैसी गरमी, बरसात और वसंत देखने के बाद भी, मेरा मन सदा नहीं तो प्राय: अनमना-सा हो जाता है। मेरे शुभचिंतक मित्र मुँह पर मुझे प्रसन्न करने के लिए आनेवाली छुट्टियों की सूचना देते हैं और पीठ पीछे मुझे कमजोर और जरा-सी परिस्थिति से होता ही क्या है। पर बरबस मेरी आँखों के सामने शरद की शीत किरणों के समान स्वच्छ शीतल किसी की घुँघराली छाया नाच उठती है। मुझे लगता है जैसे क्वार के दिन आ गए हैं मेरे गाँव के चारों ओर पानी ही पानी हिलोरें ले रहा है। दूर के सिवान से बहकर आए हुए मोथा और साईं की अधगली घासें, घेउर और बनप्याज की जड़ें तथा नाना प्रकार की बरसाती घासों की बीज, सूरज की गरमी में खौलते हुए पानी में सड़कर एक विचित्र गंध छोड़ रहे हैं बस्ती में कीचड़ सूख गया है और गाँव के लड़के किनारे पर झागभरे जलाशयों में धमाके से कूद रहे हैं। अपने-अपने मौसम की अपनी-अपनी बातें होती हैं आषाढ़ में आम और और जामुन न मिलें चिंता नहीं अगहन में चिउड़ा और गुड़ न मिले दुख नहीं, चैत के दिनों

[नाम - अनुष्का
कक्षा - 6th]

Topic ______ Date ______

हिन्दी पत्रिका

कहानी

खरगोश और कछुआ

एक जंगल में एक कछुआ और खरगोश रहते थे। दोनों गहरे मित्र थे। एक दिन दोनों ने कहा कि हम दौड़ लगाकर देखते हैं जो पहले जंगल के किनारें पहुँचेगा वह विजयी कहलायेगा दोनों ने दौड़ शुरू की। खरगोश शुरू मे तेज दौड़ा और कछुआ बहुत पीछे रह गया। खरगोश ने सोचा कछुआ तो बहुत पीछे तब तक कुछ देर आराम कर लू लेकिन खरगोश को नींद आ गई परन्तु कछुआ अपनी धीमी चाल से लगातार चलता रहा और खरगोश से पहले जंगल किनारे पहुँच गया। जब खरगौश की नींद खुली

Arnav Concept
Colours & Shapes

Topic ______________ Date ______________

- तब तक खरगोश हार चुका था।

शिक्षा - आराम हराम है।

हिन्दी

निबंध

पत्रिका

उड़ान

* मोर *

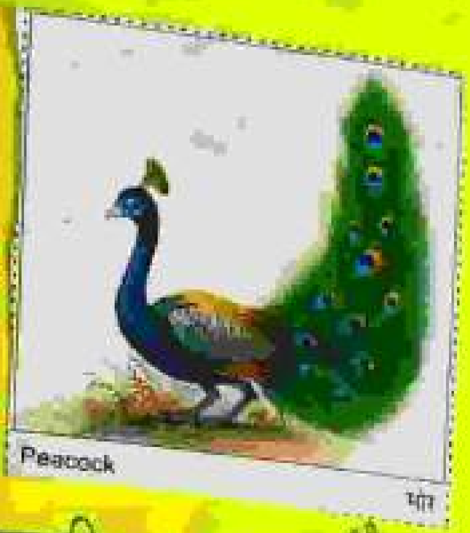

मोर भारत का राष्ट्रीय पक्षी है।
मोर एक सुंदर पक्षी है।
मोर के सर पर कलगी होती है।
मोर के पंख लम्बे और बड़े होते हैं।
के पंखो मैं छोटी-छोटी पंखुडिया होती है।
मोर की गर्दन चमकदार और गहरे नीले रंग
की होती है।

- आरूष अभिजीत जाधव
कक्षा - १ली

Date 19/8/2024

50

हिन्दी पत्रिका

निबंध

मेरी कक्षा - मेरी सबसे अच्छी जगह

हर बच्चा अपनी कक्षा से प्यार करता है।
क्योंकि प्रत्येक कक्षा से उसकी कई यादें जुड़ी होती हैं।
यह एक ऐसी जगह है जहाँ हम सीखते हैं।
मुझे मेरी कक्षा कई वजहों से पसंद है।
कक्षा हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है।
हमारे शिक्षक हमें सोचने और अपने विचारों को विकसित करने के लिए प्रेरित करते हैं।
हमारी कक्षा में एक उपलब्धि दीवार भी है जहाँ छात्रों की तस्वीरें लगायी जाती हैं।
हम सभी अपने सप्ताहांत को अलग-अलग तरीकों से मनाते हैं।
कक्षा में हर एक चीज हमें प्रेरित करती है।
इसके चारों तरफ बड़े-बड़े पेड़ लगे हुए हैं।
मेरा विद्यालय मुझे पसंद है।

नाम - अ...

कक्षा -

Arnav

खानपान

डोसा एक खानपान की विभिन्न संस्कृति है। यह दक्षिण भारतीय खानापान है। यह आमतौर नाश्ते में बनता है। यह चावल और उड़द दाल से बनता है। इसके साथ नारियल की चटनी खाई जाती है। इसके साथ सांभर भी खाया जाता है। सांभर दाल और सब्जियों से बनता है।

सरसों का साग और मक्की रोटी एक पंजाब का खानपान है। यह ज्यादा पंजाब में खाया जाता है। यह बहुत ताकतवर होता है। यह एक तरह का स्वादिष्ट पकवान है। मक्की की रोटी सरसों के साग के साथ बहुत अच्छी लगती है। मक्के की रोटी मक्के से बनती है।

लस्सी भी एक खानपान की विभिन्न संस्कृति है। यह पंजाब, हरियाणा व राजस्थान में बनाई जाती है। यह बहुत प्रकारों की होती है:- नमकीन, मीठी।

जलेबी भी एक खानपान की विभिन्न संस्कृति है। यह आमतौर यू.पी और हरियाणा में बनती है। यह मीठी होती है। यह मुझे बहुत अच्छी लगती है।

बर्गर एक खानपान की चीज़ है। यह सेहत को खराब करता है। यह जंक फूड हमें नहीं खाना चाहिए।

धन्यवाद!

नाम:- [illegible]

जीवन में खेल का महत्व

हमारे जीवन में खेलों का काफी बड़ा महत्व है। खेल खेलने से हमें कई तरह के लाभ होते हैं। अगर हम खेल खेलते हैं तो हमें इससे जो फायदे मिलते हैं, उनमें सबसे बड़ा फायदा है, कि हम बहुत कम बार बीमार पड़ते हैं। हमारे जीवन को स्वस्थ और सुरक्षित रखने के लिए खेल जरूरी है। "स्वामी विवेकानंद के अनुसार - स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है।" खेल व्यक्तिगत लाभ के साथ ही पेशेवर लाभ के लिए भी खेले जाते हैं। खेल कई नियमों द्वारा और तरीकों द्वारा आयोजित की जाने वाली गतिविधियाँ होती हैं। खेल से सामान्यतः शारीरिक और मानसिक क्षमता का उपयोग तथा विकास होता है।

नाम - अंशिका सिंह

कक्षा 7वीं

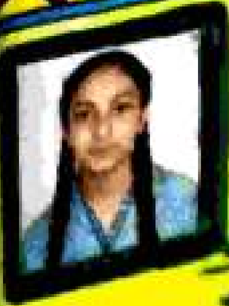

परीक्षा का एक विद्यार्थी जीवन में महत्त्व।

हर व्यक्ति के जीवन में परीक्षा देने का अवसर जरूर आता है और उस परीक्षा में वह व्यक्ति कितना सफल होता है और कितना असफल होता है यह उसकी काबिलियत और मेहनत पर निर्भर करता है। आज हम सभी को इस पूरी दुनिया में सफल होने के लिए हर जगह पर परीक्षा देनी पड़ती है। परीक्षाओं की धारणा बहुत पुरानी है। जीवन के लगभग हर क्षेत्र में हम सभी परीक्षाओं का सामना करते हैं। परीक्षाएँ मौखिक या लिखित हो सकती हैं। हमलोग अपने विद्यालयों और महाविद्यालयों की परीक्षाओं में बैठते हैं। जैसे-जैसे हम ऊँची कक्षाओं में पहुँचते हैं, परीक्षाओं की कठिनता का स्तर भी बढ़ जाता है। परीक्षा उन परिस्थितियों में काम आता है जब नौकरी के लिए लंबी कतार लगी हो लेकिन यह निर्णय कर पाना मुश्किल हो कि किसे नौकरी दि जाये तो उस समय परीक्षा ही एक ऐसा तरीका बचता है जिसमें 'दूध का दूध और पानी का पानी हो' जाता है। किसी भी चीज़ में महारत हासिल करने के बाद उसकी परीक्षा ली जाती है और यह सिद्ध हो जाता है कि वह वाकई में हुनरमंद है या नहीं। परीक्षा विद्यार्थी के जीवन में आत्मविश्वास, आत्म विश्लेषण, कौशल, समय का प्रबंधन, करना सिखाता है। हममें से बहुत से लोग परीक्षाओं से डरते हैं, परन्तु हमें परीक्षा से डरना नहीं चाहिए।

नाम → मनमीतप्रीत कौ
कक्षा → आठवीं।

निबंध "इंटरनेट"

[illegible] के क्षेत्र में इंटरनेट एक नवीनतम खोज है। यह आजकल [illegible] लोकप्रिय होता जा रहा है। हम इससे बहुत सारी सूचनाएँ प्राप्त करते हैं। यह सभी आयु वर्गों के लिए लाभ होता है। यहाँ तक कि छोटे-छोटे बच्चे भी इंटरनेट से दूर नहीं हैं। वे इस पर कहानियाँ [illegible] सकते हैं। युवा वर्ग को यह खास तौर पर आकर्षित करता है। उन के लिए यह संपूर्ण मनोरंजन का साधन है। इसके पास सभी कक्षाओं के [illegible] सामग्रियाँ होती हैं। उच्च वर्ग के छात्र इस पर पुस्तकें पढ़ सकते हैं [illegible] सभी प्रकार की सूचनाएँ ढूँढ सकते हैं। हम अपने कमरे में बैठकर दुनि[illegible] [illegible] सकते हैं। हमें स्कूल या अपने कार्यक्षेत्र की परियोजनाएँ [illegible] में सहायता करता है। यह सभी क्षेत्रों से संबंधित हमें नई-नई सूचन[illegible] [illegible] है। यह हमें संदेश भेजने में मदद करता है। यह हमें अपने मित्रों तथा [illegible] से जोड़ता है। इसका उपयोग बैंकों तथा कार्यालयों में किया जाता है। [illegible] पर रेल-टिकट, हवाईजहाज-टिकट, सिनेमा-टिकट आदि भी आरक्षित कर सकते हैं। आज संचार के माध्यम में यह साधारण डाक अथवा [illegible] से सस्ता पड़ता है। हर संभव सूचना के लिए अब इंटरनेट एक वैश्विक स्रोत बन गया है। इसने शिक्षा और ज्ञान को उन्नत बनाया है। हम सभी को इसका उपयोग सीखना चाहिए।

नाम - साक्षी प्रिया

कक्षा - 9 "नौवीं"

- विद्यार्थी का फोटो।

शायरी

"काम करो ऐसा कि एक पहचान बन जाए
हर कदम ऐसा चलो कि निशान बन जाए
यहाँ ज़िंदगी तो हर कोई काट लेता है,
ज़िन्दगी जियो इस कदर कि मिसाल बन
जाए॥....

"वक्त से लड़कर जो नसीब बदल दे,
इंसान वही जो अपनी तकदीर बदल दे,
कल क्या होगा कभी मत सोचो,
क्या पता कल खुद वक्त अपनी तस्वीर बदल
दे॥.....

"हर सपने को अपनी सांसों में रखो,
हर मंज़िल को अपनी बाहों में रखो,
हर जीत आपकी है ए दोस्त,
बस अपने लक्ष्य को अपने निगाहों में
रखो!!

नाम - निघत मंज़ूर।
कक्षा - छठी।

हिन्दी प्रोजेक्ट Date 25122024

किसान

बंजर धरती को जो अपनी
मेहनत से पिघला देता
और पिघला कर उस धरती में
फसल है उगा देता
वो इस धरती माँ का लाल
वीर किसान है कहलाता

शायरी

छत टपकती है उसके कच्चे मकान की,
फिर भी "बारिश" हो जाये, तमन्ना है किसान की।
किसान ही तो भारत देश की शान है,
फिर ठंड में सड़कों पर क्यों परेशान है।

जय जवान
जय किसान
जय विज्ञान

चुटकुले

स्टूडेंट स्कूल में गधा लेकर आया

टीचर यह क्यों लेकर आए हो?

स्टूडेंट आप ही तो कहती हो कि मैंने
बड़े से बड़े गधों को इंसान बनाया है
तो मैंने सोचा कि
इसको भी इंसान बना दो

शायरी

बदल जाओ वक्त के साथ
या फिर वक्त बदलना सीखो
मजबूरियों को मत कोसो
हर हाल में चलना सीखो

Arnav Concept Colours & Shapes

शायरी

सफलता

कुछ लोग नींद मे सफलता का सपना देखते है।

और

वहीं कुछ लो अपने सपनो को पूरा करने के कार्य करते है।।

नाम - डी. नन्दिनी
कक्षा - 8वी
अनुक्रमांक 5

॥ ज़िंदगी ॥

कदम - कदम पे जिंदगी नयी परीक्षा रखती है।

कदम - कदम पे जिंदगी नयी परीक्षा रखती है।

ये जिंदगी परीक्षा लेती है पर स्लेबस नहीं बताती है।

नाम डी. नन्दिनी
कक्षा 8वी
अनुक्रमांक - 5

Oddy Stationery

जिसमें उबाल हो ऐसा खून चाहिये,
जीत के खातिर ऐसा जुनुन चाहिये,
ये आसमान भी आएगा जमीन पर,
बस इरादो में ऐसा गूंज होना चाहिये

NAME: Shivani Gupta
Class: 8th
Roll No.: 7

वक्त से लड़कर जो नसीब बदल दे.
इंसान वही जो अपनी तकदीर बदल दे,
कल क्या होगा कभी मत सोचो,
क्या पता कल वक्त खुद अपनी
तस्वीर बदल ले।

Name: Shivani
Class: 6th
Rollno. : 2

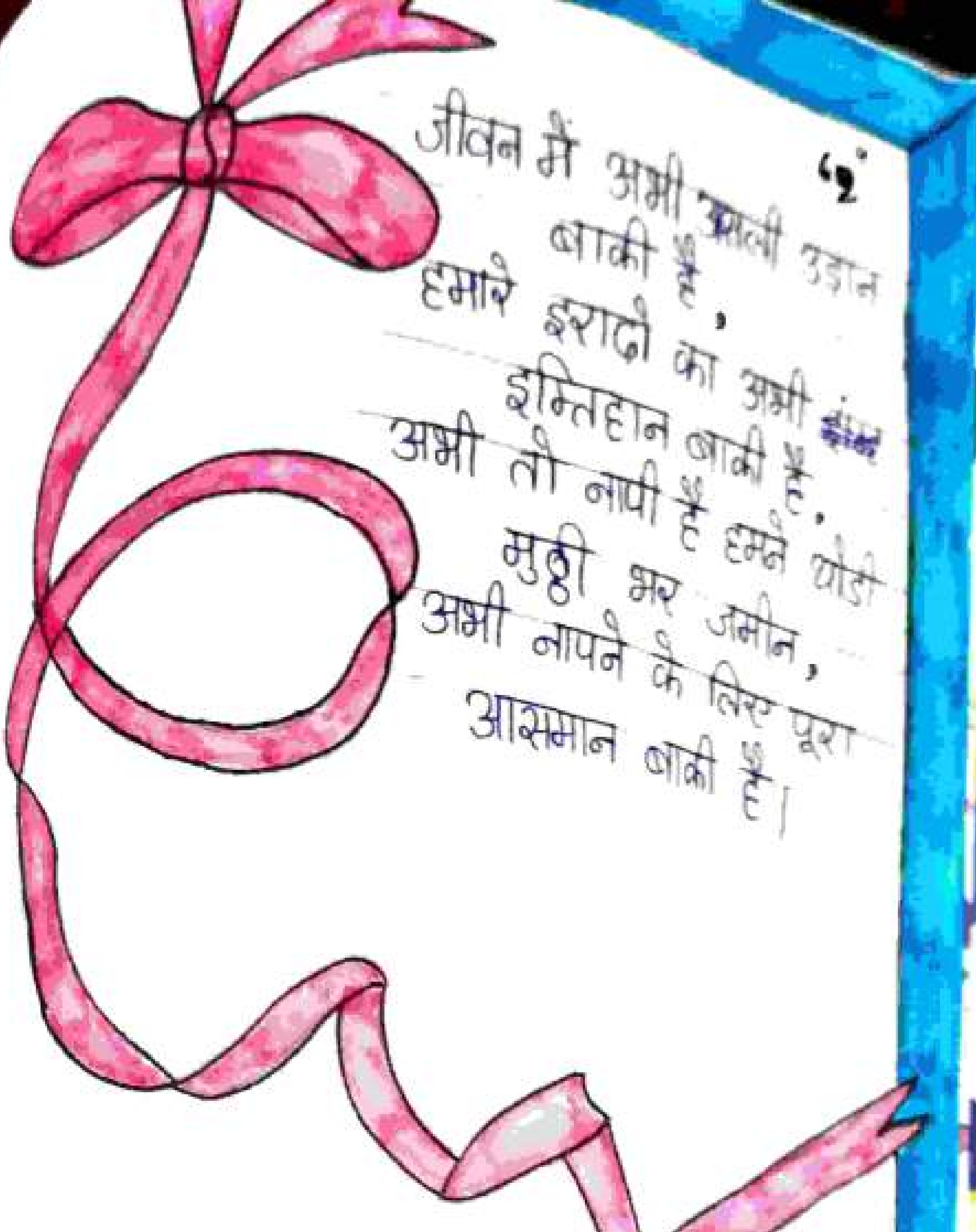

'2'

जीवन में अभी असली उड़ान
बाकी है,
हमारे इरादो का अभी [illegible]
इम्तिहान बाकी है,
अभी तो नापी है हमने थोड़ी
मुट्ठी भर जमीन,
अभी नापने के लिए पूरा
आसमान बाकी है।

Name : Shivani [illegible]
Class : 8K
Rollno : 7

NAME = [illegible]
CLASS = आठवीं
Roll NO = नौं
SUBJECT = हिंदी..

खुद को आज थोड़ा और
खींचता हूँ..

इन फसलों को अपने गहरे
खून से सींचता हूँ..
भर देता हूँ तुम्हारा पेट मरने
से पहले... अपनी अस्थियों से
सारा खेत
बीजता हूँ।

चुटकुला

एक गांव में पांच दोस्त रहते थे
पहले का नाम था पागल
दूसरे का नाम था बेवकूफ
तीसरे का नाम था दिमाग
चौथे का नाम था कोई नहीं
पांचवें का नाम था किसी

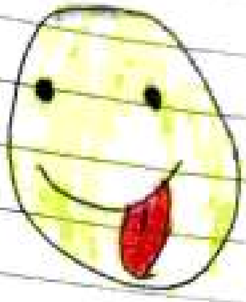

एक दिन कोई नहीं ने किसी को मार दिया
और बेवकूफ बाथरूम में नहा रहा था
और दिमाग घूमने के लिए गया था
तो पागल पुलिस को फोन लगाता है
कोई नहीं ने किसी को मार दिया
Police ...... तभी पुलिस वाला बोला पागल है क्या
तो पागल बोला हां मैं सर पागल हूं

तो पुलिस वाला बोला और बेवकूफ है क्या
तो पागल बोला और सर बेवकूफ तो बाथरूम में नहा रहा है
तो पुलिस वाला बोला रे तेरे पास दिमाग नहीं है क्या
तो पागल बोला और सर वह तो घूमने के लिए गया है

Name > Khushi Mehra
Class > 5th
5-3 Roll no > 27

TOPIC

चुटकुले

गैस पर दूध रखा था 5 मिनट के लिए

व्हाट्सएप क्या ऑन किया दूध बुरा मान गया

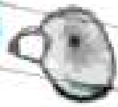

ऊपर से कूद कर आत्महत्या कर ली

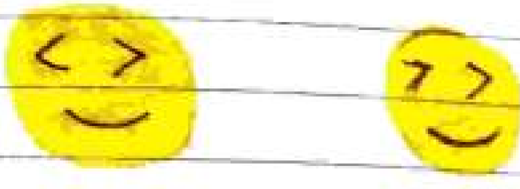

Name - Banishka

Class - 6th
Roll no - 29

दोहा

ऐसी वाणी बोलिए
मन का आप खोये
औरन को शीतल करे,
आपहु शीतल होए

अर्थ :

इंसान को ऐसी भाषा बोलनी चाहिए जो सुनने वाले के मन को बहुत अच्छी लगे। ऐसी भाषा दूसरे लोगों को तो सुख पहुंचाती ही है, इसके साथ खुद को भी बड़े आनंद का अनुभव होता है !!!

धन्यवाद

کیندریہ ودیالیہ بی ایس ایف بمہاما
केंद्रीय विद्यालय सी. सु. ब. हुम्हामा
KENDRIYA VIDYALAYA BSF HUMHAMA